सोना उगल रही है हमारे प्रदेश की धरती

राजस्थान पूरा करेगा आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य, खनिज हमारी सबसे बड़ी ताकत

अनिल अग्रवाल
वेदांता समूह के अध्यक्ष।

राजस्थान मेरी कर्मभूमि है। खनिज संसाधनों के मामले में राजस्थान देश के सबसे प्रमुख राज्यों में से एक है, इसलिए राजस्थान आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को पूरा करने में अहम भूमिका रखता है। वेदांता का राजस्थान से जुड़ाव कई दशकों पुराना है, चाहे वो बाड़मेर में केयर्न ऑयल एंड गैस का काम हो या उदयपुर में हिंदुस्तान जिंक के अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्लांट ऑपरेशन। आज राजस्थान देश में एक ऐसा केंद्र बन चुका है, जो कि प्राकृतिक संपदा, लोगों की प्रतिभा और प्रोग्रेसिव शासन व्यवस्था एक साथ मिलकर औद्योगिक विकास को आगे बढ़ा रही है। वेदांता ने पिछले 10 सालों में राज्य के खजाने में 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक का योगदान दिया है और 1 लाख करोड़ रुपए के निवेश करने जा रहा है। हमने यहां 1 लाख से ऊपर जॉब्स क्रिएट किए हैं। वेदांता राजस्थान की प्रगति में एक बड़ा साझेदार है। यह साझेदारी राज्य के 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य के साथ से जुड़ी है, जो टिकाऊ और सभी के विकास पर आधारित है। राजस्थान हमारी प्राथमिकताओं में से एक है, हमने पूरे उदयपुर शहर के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाया। राज्य में एक नया क्रिकेट स्टेडियम बना रहे हैं। हमारे लिए राजस्थान इनोवेशन और उत्कृष्टता का साथी है। हम उद्योग, समाज और पर्यावरण में तालमेल के साथ आगे बढ़ रहे हैं। राजस्थान की सबसे बड़ी ताकत यहां की जमीन के नीचे मौजूद खनिज संपदा है। ऐसी धरती दुनिया में और कहीं नहीं है, जहां कच्चा तेल और गैस, चांदी, तांबा, जिंक, रॉक फॉस्फेट इत्यादि इतनी भरपूर मात्रा में मिले। यहां रिन्यूएबल पावर की क्षमता भी बहुत है। ये एक शानदार टूरिज्म और वेडिंग डेस्टिनेशन है। यहां के शिल्प कला की बात ही कुछ और है।

इन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए

• **उद्योग/एंटरप्रेन्योरशिप** : दुनिया के हर देश ने उद्योग और उद्यमियों को बढ़ावा देकर ही तरक्की की है। हमें भी सेल्फ सर्टिफिकेशन की ओर बढ़ना होगा और उद्योगों को बेनिफिट ऑफ डाउट देना होगा। राजस्थान इस बदलाव में सबसे आगे रह सकता है।

• **रोजगार सृजन** : हमें स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना है और बड़े पैमाने पर रोजगार बनाने की दिशा में काम करना है। वेदांता में हम एक जिंक इंडस्ट्रियल पार्क स्थापित कर रहे हैं, जहां हजारों नई इकाइयां बनेंगी और लाखों नौकरियां पैदा होंगी।

• **खनिज और धातु** : जैसे-जैसे दुनिया खनिजों पर आधारित भविष्य की ओर बढ़ रही है, राजस्थान भारत के लिए महत्वपूर्ण धातुओं का केंद्र बन सकता है।

• **ऊर्जा** : राजस्थान के पास देश में सबसे अधिक सौर और पवन ऊर्जा क्षमता है। यह राज्य भारत की 'ग्रीन एनर्जी' राजधानी बन सकता है और स्वच्छ ऊर्जा की वैश्विक दिशा में अहम भूमिका निभा सकता है। साथ ही, यहां पारंपरिक तेल और गैस के भी बड़े भंडार हैं।

• **पर्यटन** : अपनी समृद्ध ऐतिहासिक धरोहर को संजोते हुए, बेहतर पर्यटन ढांचा बनाकर, इको-टूरिज्म बढ़ाकर और कला-संस्कृति को दुनियाभर में लोकप्रिय बनाकर, राजस्थान पर्यटन में बड़ी बढ़ोतरी कर सकता है।

सामाजिक ढांचा : डिजिटल कनेक्टिविटी, महिलाओं का सशक्तिकरण और उद्यमिता पर अधिक ध्यान देने से लोगों के जीवन स्तर और सामुदायिक कल्याण में बड़ा सुधार हो सकता है। जब राजस्थान अपनी विकास यात्रा को 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय लक्ष्यों से जोड़ता है, तो यह देश के अग्रणी राज्यों में अपनी जगह और मजबूत करता है।

राजस्थान पहले से ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक प्रमुख निवेश सेंटर के रूप में स्थापित हो चुका है और अब जरूरत प्रक्रियाओं को सेल्फ सर्टिफिकेशन से और सरल बनाना है।

हर नागरिक न केवल विकास में योगदान दे सके, बल्कि लाभ भी लें

राजस्थान में बढ़ती इंटरप्रनोरशिप यह सुनिश्चित करेगी कि हर नागरिक न केवल विकास में योगदान दे सके बल्कि उसका लाभ भी उठा सके। सरकार का महिलाओं की कार्यबल भागीदारी 60 प्रतिशत तक बढ़ाने और 2047 तक 100 प्रतिशत स्कूल नामांकन हासिल करने का लक्ष्य सराहनीय है। वेदांता इन प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य करते हुए जिंक, लेड, चांदी, तेल एवं गैस और महत्वपूर्ण खनिजों में निवेश कर रहा है। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से समुदायों को सशक्त कर रहा है। अब तक कंपनी ने सामुदायिक कल्याण पर 2,500 करोड़ रुपए खर्च किए हैं और अगले 5 वर्षों में 1,600 करोड़ रुपए और निवेश करने की योजना है।